

23/17

पञ्जावली राजस्व लोक कालान्तर में लक्ष्य पर फेर डालें।
द्वितीय प्राचीन का मूल्य 95 संख्या 60/09 का बाद निर्मित
दोहर वही का बाद पर स्वीकार (विश) जायदाद-करकारण
द्वितीय प्राचीन का प्रायतः पर चारा 202 R-T-A में निम्नी
प्रकार की कार्यवाही होनी रहे कि प्राचीन का प्रायतः
पर भी नमी स्टेज पर निर्मित (विश) जायदाद ही पञ्जावली
केवल सुमार की जाकर बाद के काम केलावनी
जावे।



सुपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा

Handwritten signature and text on the right margin, including the name 'S. K. Sharma' and the word 'नारायण'.